गतिविधि 1 (i) – हमारा गाँव

नाम : ____________________ **दिनांक:** ____________________

गाँव : ____________________ **गतिविधि प्रकार :** समूह

उद्देश्य : अपने गाँव के प्राकृतिक और मानव निर्मित संसाधन, सांस्कृतिक स्थल और महत्वपूर्ण सुविधाओं के माध्यम से अपने परिवेश को जानना और उसके महत्व को समझना
आवश्यक सामाग्री: पेन, पेंसिल, रबड़, क्रेयान/संगीन पेंसिल
निर्देश:

- शिक्षक द्वारा तय किए गए 2-3 छात्रों के समूह मे कार्य किया जाय
- नीचे दिये गए बॉक्स मे आपके गाँव मे पाये जाने वाले प्रकृतिक, मानव -निर्मित संसाधन, सांस्कृतिक

स्थल, और महत्वपूर्ण सुविधाओं पर निशान लगाते हुये चिन्हित करें

प्राकृतिक संसाधन	सांस्कृतिक स्थल	बुनियादी ढाँचा/सुविधाएँ	मानव-निर्मित संसाधन
☐ जंगल	☐ जंगल	☐ स्कूल	☐ खेती की जमीन
☐ नदी	☐ पूजा का स्थान	☐ अस्पताल/ स्वास्थ्य केंद्र	☐ पार्क/ उद्धान
☐ तालाब	☐ पवित्र पेड़/जंगल	☐ सड़क	☐ बांध
☐ झरना	☐ घोटूल	☐ आंगनवाड़ी	☐ कुआं
☐ पहाड़	☐ सामुदायिक भवन	☐ उचित मूल्य की दुकान	☐ पम्प
☐ चट्टानी पहाड़	☐ बाज़ार/हाट	☐ बस स्टैंड	☐ चरागाह
अन्य ____________	अन्य ____________	अन्य ____________	अन्य ____________

अन्य वाली जगह पर अतिरिक्त स्थानों का उल्लेख कर सकते है

गतिविधि 01 (ii) – हमारा गाँव

निर्देश :

- गांव का केंद्र कागज पर अंकित करें
- गाँव का केंन्द्र जहां है, उसके ध्यान मे रखते हुये अपने घर की जगह को अंकित करें
- गतिविधि 01 (i) मे आपके द्वारा पहचाने गए प्रकृतिक, मानव -निर्मित संसाधन, सांस्कृतिक स्थल, और महत्वपूर्ण सुविधाओं को कागज पर अंकित करें
- जगहों को किस तरह अंकित करना है उसके लिए नीचे दिये गए नक्शे का अवलोकन करें

नक्शा बनाएँ

नक्शे का नमूना

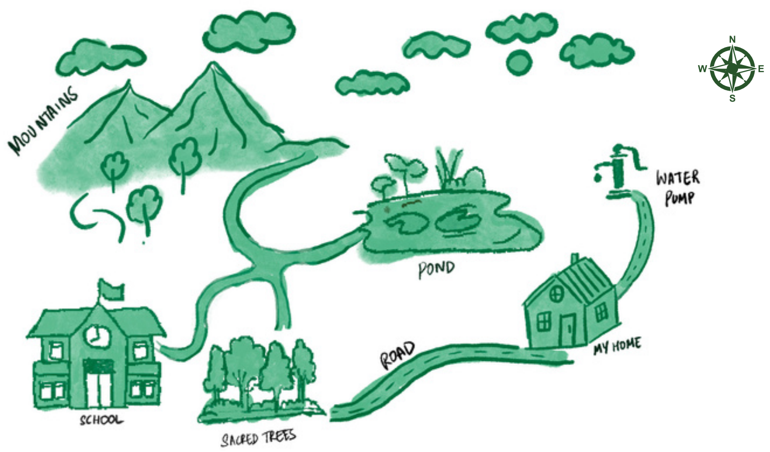

गतिविधि 02 (i) – हमारे जीवन मे पक्षी

Azim Premji University

नाम : ____________________ **दिनांक :** ____________________

गाँव : ____________________ **गतिविधि प्रकार :** एकल

उद्देश्य: अपने गाँव के आसपास पक्षियों की विविधता का अवलोकन करना और प्रकृति मे उनके महत्व को जानना, समझना
आवश्यक सामाग्री: पेन, पेंसिल, रबड़, क्रेयान/संगीन पेंसिल
निर्देश:

- अपने गाँव और आसपास एक शांत जगह का चुनाव करें
- 5 मिनट के लिए बैठें और देखे क्या आप कोई पक्षी देख पाते हैं
- नीचे दिये गए टेबल मे एक पक्षी का अवलोकन दर्ज करें (पहली पंक्ति मे एक पक्षी का उदाहरण दिया है)
- ऐसा चार विभिन्न तरह की पक्षियों के लिए करें

स्थानीय नाम	आकार (से.मी.) और पक्षी का रंग	पक्षी का वर्णन (चोंच, पुंछ और गर्दन)	पक्षी क्या कर रहा था	पक्षी कैसा आवाज़ निकालती है?
मयूर (इंडियन पी फ़ौल Indian Peafowl)	200 से॰ मी॰ , नीला, हरा, सफ़ेद, बैंगनी, भूरा	चमकीला और रंग-बिरंगा पक्षी, पंखे जैसा पंख, लंबी गर्दन, छोटी पूँछ	चिड़िया ज़मीन पर दाना चुग रही थी	ज़ोर से चहक रही थी

विशेष निर्देश :
शांत बैठें, यदि आप पक्षी को नजदीक से देखना चाहते हैं, तो यथासंभव चुपके से जाएँ ताकि आप उन्हे परेशान न करें। इस कार्य के लिए पक्षी को न पकड़ें

गतिविधि 02 (ii) – हमारे जीवन मे पक्षी

गतिविधि:

- अपने माँ-पापा या दादा-दादी से किसी स्थानीय पक्षी के बारे मे वे जो कहानी जानते हो उन्हे पुछे और नीचे दिये जगह मे लिखे
- कहानी मे आए पक्षी का चित्रा बनाए

कहानी लिखें

पक्षी का चित्र बनाएँ

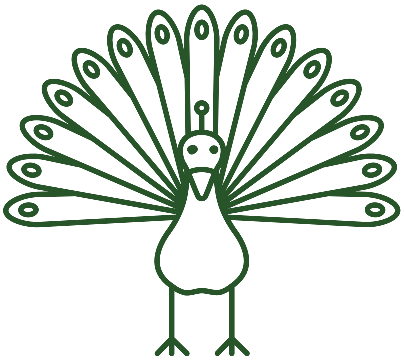

गतिविधि 03 (i) – औषधीय पौधे और उनके उपयोग

Azim Premji University

नाम : ____________________ **दिनांक :** ____________________

गाँव : ____________________ **गतिविधि प्रकार :** एकल

उद्देश्य: अपने समुदाय के पारंपरिक परिस्थितिकीय ज्ञान को पहचानना , पौधों के औषधीय गुण और उनके उपयोग के तरीकों को जानना
आवश्यक सामाग्री : पेंसिल, पेन, रबड़, गोंद
निर्देश:

- अपने माँ-पापा या दादा-दादी की मदद से आपके गाँव के आसपास आसानी से मिलने वाले 4-5 औषधीय पौधों की पहचान कीजिये
- हर पौधे के लक्षणो को ध्यान से अवलोकन करें
- पौधों के उपयोग के बारे मे अपने माँ-पापा या दादा-दादी से पुछे
- प्राप्त जानकारियों को नीचे दिये गए टेबल मे दर्ज करें।(पहली पंक्ति मे उदाहरण दिया है)

पौधे का स्थानीय नाम	**पत्तियों का आकार (सेमी) और पत्तियों का रंग**	**पौधे का वर्णन (तना, जड़, फूल, फल, शाखाएँ आदि)**	**पौधे के औषधीय गुण**	**पौधे से दवाइयाँ कैसे बनाई जाती है?**
घृत कुमारी/ ग्वार पाठा (एलो-वेरा)	80 सेमी, हरा	इस पौधे में पत्तियों का गुच्छा एक दूसरे से चिपक हुआ कोई तना नहीं होता है और पत्तियाँ कांटेदार किनारों वाली मोटी और मांसल होती हैं	इस पौधे का गूदा त्वचा और बालों के स्वस्थ्य को बढ़ाने के लिए उपयोग किया जाता है।	रंगहीन जेल प्राप्त करने के लिए पत्ती की त्वचा को छील लें। जेल को मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बनाएं जिसे चेहरे पर लगाने से त्वचा और बालों को नमी मिलेगी और रूखेपन से बचा जा सकेगा

गतिविधि 03 (ii) - औषधीय पौधे और उनके उपयोग

निर्देश:

- नीचे दिये गए शीट पर पौधे के औषधीय गुण वाले हिस्से को चिपकाए (जैसे- पत्ती, जड़, तना आदि)
- पत्ती, बीज या जड़ आदि से मिलने वाले गोंद का उपयोग चिपकाने के लिए कर सकते हैं

पौधा 1 स्थानीय नाम :	**पौधा 2 स्थानीय नाम :**
पौधा 3 स्थानीय नाम :	**पौधा 4 स्थानीय नाम :**

गतिविधि 04 – मेरा पसंदीदा त्योहार

नाम : ____________________ **दिनांक :** ____________________

गाँव : ____________________ **गतिविधि प्रकार :** एकल

उद्देश्य: अपने गाँव मे मनाए जाने वाले विभिन्न तरह के त्योहारों को जानना और समझना
आवश्यक सामाग्री : पेंसिल, पेन, रबड़
निर्देश:

- आपके माँ-पापा या दादा-दादी के मदद से आपके गाँव मे मनाए जाने वाले एक पारंपरिक त्योहार को चुनो
- इस त्योहार के बारे मे उनसे प्रश्न पूछ कर नीचे दिये गए जगह पर लिखें

इस त्योहार का नाम क्या है?

____

इस त्योहार को कब मनाया जाता है?

____

यह त्योहार आपके गाँव के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

____

____

____

____

इसे कैसे मनाया जाता है(क्या क्या होता है)

____

____

____

____

____

इस त्योहार मे क्या क्या खाना बनता है?

____

____

____

इस त्योहार के बारे मे कौन सी चीज़ आपको सबसे अच्छा लगता है?

____

____

____

इस त्योहार मे गाय जाने वाले किसी एक गाने को लिखिए।
इस गाने को अपने दोस्तो के साथ मिल कर गायें और जिन्हे वह गाना नहीं आता उसे सिखाएँ।

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

गतिविधि 05 (i) – खेती की विविधता और फसल कलेंडर

नाम : ____________________ **दिनांक :** ____________________

गाँव : ____________________ **गतिविधि प्रकार :** एकल

उद्देश्य: गाँव मे उगाये जाने वाले फसलों की विविधता के महत्व को समझना
आवश्यक सामाग्री: पेन, पेंसिल, रबड़, गोंद
निर्देश:

- छात्र अपने गाँव मे उगाये जाने वाले विभिन्न फसलों के कुछ बीज एकत्र कर लें
- जिस माह मे उस फसल की कटाई की जाती है उसके सामने उस फसल का नाम लिखें
- जिन फसलों के बीज न मिल पाएँ उनके भी नाम दर्ज कर सकते हैं
- एक ही माह मे एक से अधिक फसलों की कटाई की जा सकती है, सभी के नाम दर्ज

माह जिनमे फसल कटाई की जाती है	फसलों के नाम
जनवरी	
फरवरी	
मार्च	
अप्रैल	
मई	
जून	
जुलाई	
अगस्त	
सितंबर	
अक्तूबर	
नवम्बर	
दिसम्बर	

गतिविधि 05 (ii) - खेती की विविधता और फसल कलेंडर

निर्देश:

- नीचे दिये गए चक्र मे विभिन्न फसलों के कुछ बीज जिन महीनो मे कटाई की जाती उसके सामने चिपकाए।
- दिये गए जगह मे उस फसल का नाम भी दर्ज करें
- जिन महीनो मे एक से अधिक फसलों की कटाई की जाती है वहाँ सभी फसलों के कुछ बीजो को चिपकाए और उनके नाम दर्ज करें
- पृष्ठ मे नीचे दिये गए उदाहरण का अवलोकन करें

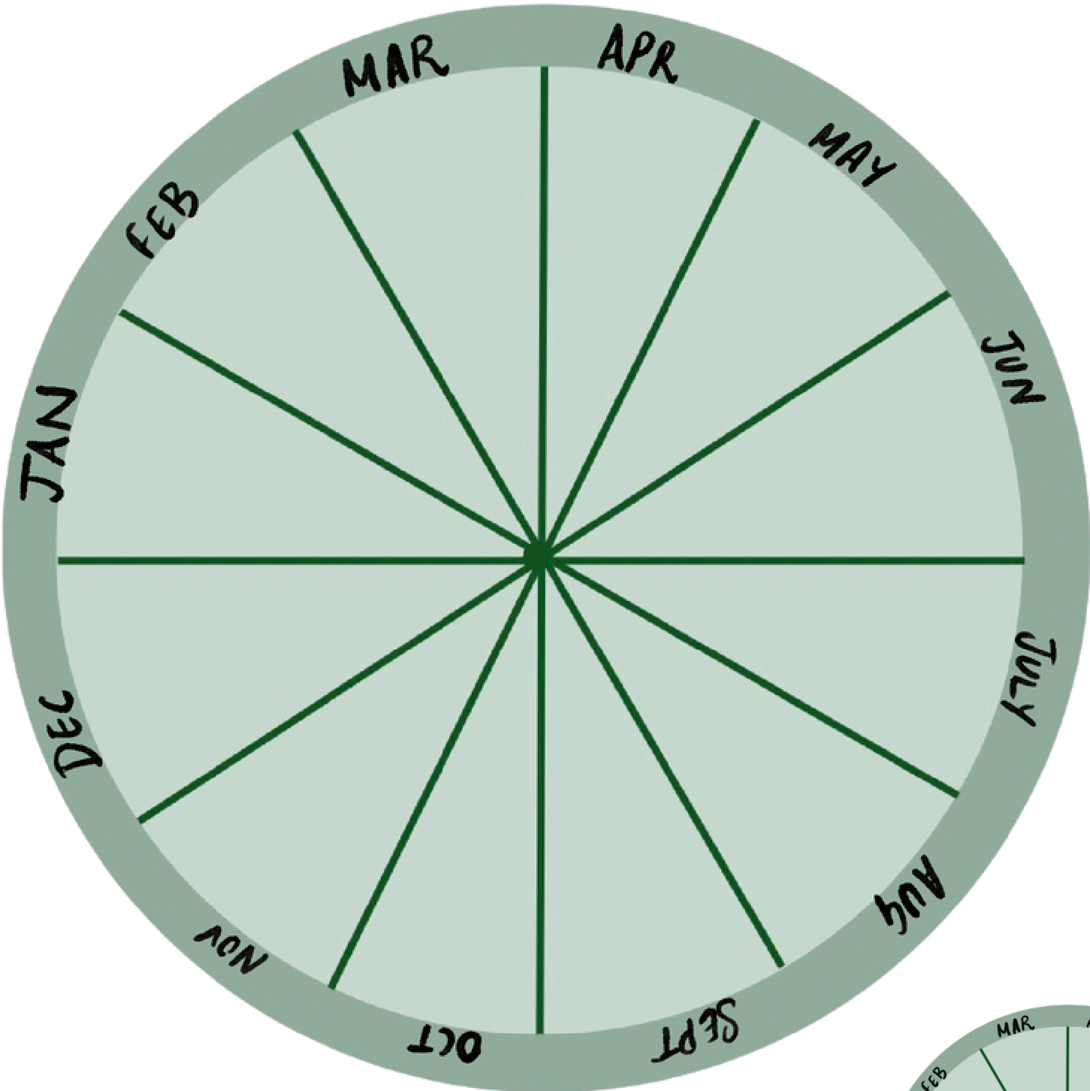

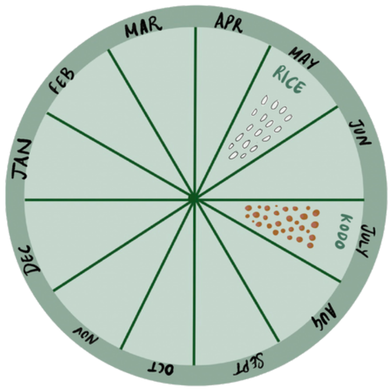

नमूना

गतिविधि 06 (i) – एनटीएफ़पी की विविधता और उनका पुनर्जन्म

नाम : ____________________ **दिनांक :** ____________________

गाँव : ____________________ **गतिविधि प्रकार :** समूह

उद्देश्य: एनटीएफ़पी की विविधता को जानना समझना और उनके पुनर्जनन मे सहयोग करना
आवश्यक सामाग्री: पेन, पेंसिल, रबड़
निर्देश:

- शिक्षक द्वारा तय किए गए 2-3 छात्रों के समूह मे कार्य किया जाय
- आपके गाँव मे संग्रहीत किए जाने वाले एनटीएफ़पी प्रजातियों की सूची बनाइये और जानकारी नीचे दिये टेबल मे दर्ज करें

एनटीएफ़ पी प्रजाति का नाम	किस भाग को एकत्रित करते है (बीज, पत्ती, फूल आदि)	इसे कहाँ बेचा जाता है (व्यापारी, बाज़ार, समिति)	प्रति वर्ष कितना एकत्र किया जाता है, (किलो, बंडल आदि)	कितने रुपये की दर से बेचा जाता है

गतिविधि 06 (ii) – एनटीएफ़पी की विविधता और उनका पुनर्जनन

उद्देश्य: बीज बॉल जंगलो के पुनर्जनन का एक आसान तरीका है। बीज बॉल के माध्यम से पेड़ो के स्थानीय प्रजातियों को फैलाया जा सकता है। इस गतिविधि मे छात्र बीज बॉल बनाना सीखेंगे जो उनके लिए मजेदार और रोचक होगा।

आवश्यक सामाग्री: विभिन्न प्रजातियों के बीज, मिट्टी, पानी

निर्देश :

- स्कूल या उसके आसपास एक उपयुक्त जमीन का टुकड़ा चिन्हित कर ले, जमीन का यह हिस्सा ऐसा हो

जहां मिट्टी एकदम ज्यादा गीली न हो और जहां सूर्य का प्रकाश एकदम सीधे न पड़ती हो

- चिकनी मिट्टी, मिट्टी और बीज को 5:1:1 के अनुपात मे मिला ले
- यह मिश्रण बहुत अधिक गीला या बहुत अधिक सूखा न हो
- मिश्रण को गेंद की तरह बनाए, आम के आकार के
- इस बॉल को जमीन के चुने गए हिस्से मे फेंक दे
- कुछ दिनो या हफ़्तों मे बीज अंकुरित हो जाएंगे। जमीन सूखने लगे तो पानी डालने की जरूरत हो सकती है

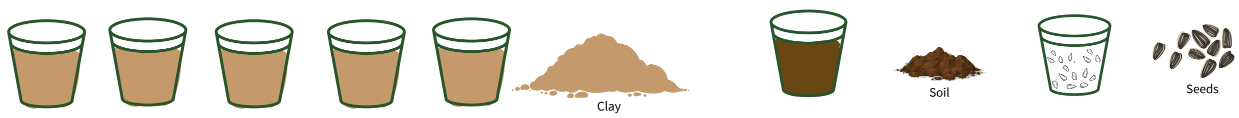

नोट: वन पुनर्जनन के लिए एनटीएफपी प्रजातियों के बीजों का उपयोग किया जाना चाहिए जिनका उपयोग पुनर्जनन के लिए किया जाता है। लेकिन बीज बॉल बनाना सीखने के लिए धान, बाजरा या सब्जियों की स्थानीय किस्मों के तेजी से अंकुरित होने वाले बीजों का उपयोग किया जा सकता है

गतिविधि 7(i) - पेड़ों की सांस्कृतिक प्रासंगिकता और एक पवित्र वृक्ष का निर्माण

नाम : ____________________ **दिनांक :** ____________________

गाँव : ____________________ **गतिविधि प्रकार :** एकल और सामूहिक

उद्देश्य : पेड़ों की सांस्कृतिक प्रासंगिकता को समझना और उसकी सराहना करना
आवश्यक सामाग्री: चार्ट पेपर, गोंद, रंगीन पेंसिल, कागज
निर्देश:

- छात्र गाँव के बुजुर्गों से 2 सांस्कृतिक महत्व के पेड़ों के नाम और उनसे संबन्धित कहानिया/मान्यताएं पता करेंगे
- छात्र इन पेड़ो के विभिन्न आकार के पत्ते एकत्र करें
- नीचे दिये टेबल मे इन कहानियों को लिखे और उस पेड़ का एक पत्ता चिपकाए

पेड़ 1: स्थानीय नाम	
इस पेड़ से संबन्धित कहानी/मान्यता	**पत्ती यहाँ चिपकाए**
पेड़ 2: स्थानीय नाम	
इस पेड़ से संबन्धित कहानी/मान्यता	**पत्ती यहाँ चिपकाए**

Activity 7(ii) - पेड़ों की सांस्कृतिक प्रासंगिकता और एक पवित्र वृक्ष का निर्माण

निर्देश :
यह गतिविधि कक्षा मे की जानी है

- ऊपर दिये टेबल मे चिपकाने के बाद बचे पत्तों को छात्र एकत्र कर लाएँ
- शिक्षक कक्षा की एक दीवाल को चिन्हंकित करें
- चार्ट पेपर को दीवाल पर चिपका दे, फिर छात्र पेड़ की तना और शाखा बनाए और उन्हे भूरे रंग से रंग दे
- फिर शाखाओं पर पट्टियों को छपका कर छात्र पेड़ बनाए

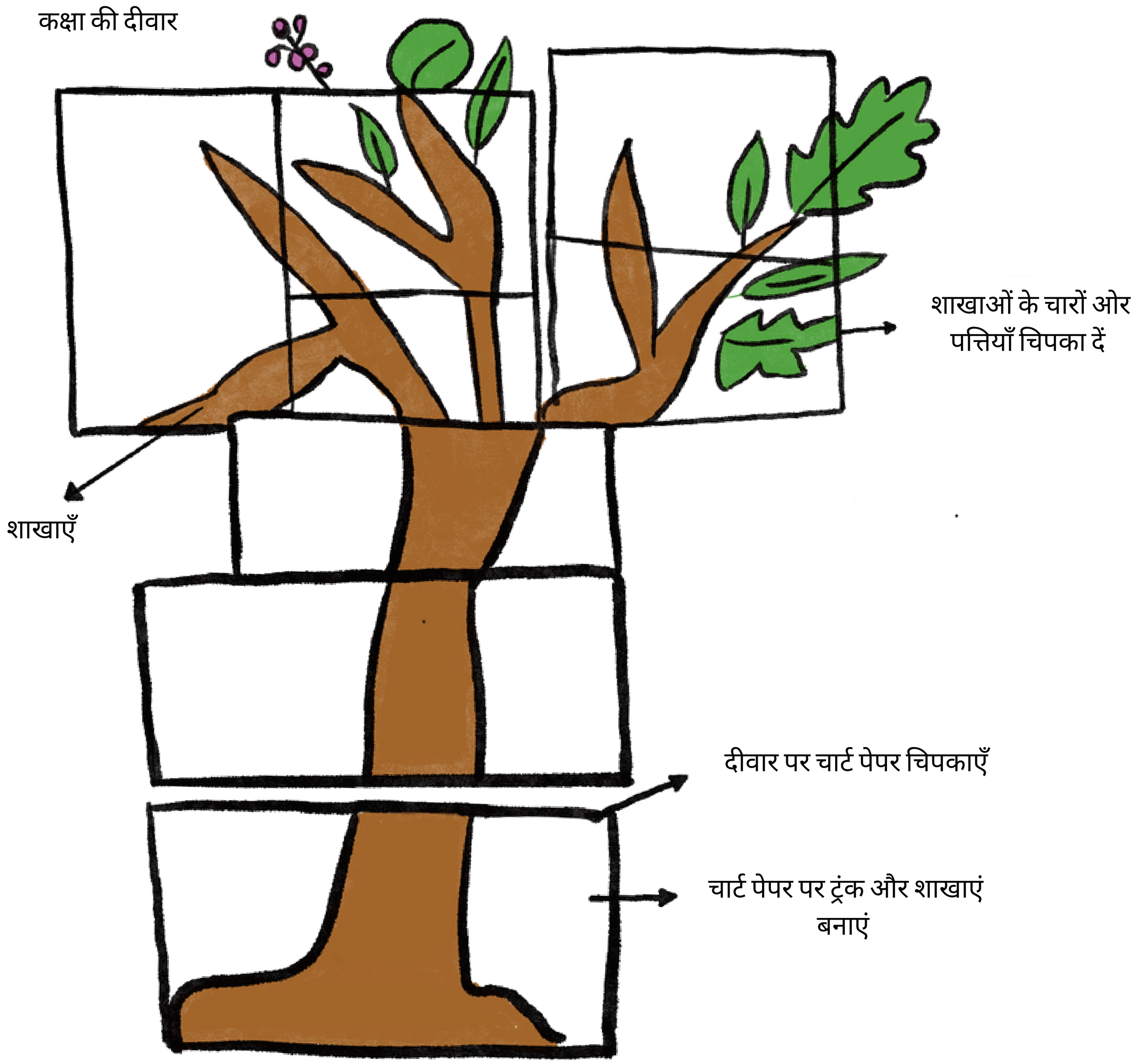

गतिविधि 08 – आसपास के जंगल का मॉडल बनाना

नाम : ____________________ **दिनांक :** ____________________

गाँव : ____________________ **गतिविधि प्रकार :** सामूहिक

उद्देश्य : आसपास के जंगल का मॉडल निर्माण के माध्यम से प्राकृतिक परिदृश्य और वनस्पति एवं जीवों की जैव-विविधता का महत्व समझना

आवश्यक सामाग्री : कार्डबोर्ड/लकड़ी का तख्ता, मिट्टी, कीचड़, रेत, टहनियाँ, देशी वृक्ष प्रजातियों की शाखाएँ, घास, फल और फूल, पत्थर, कंकड़, चट्टानें, पानी के रंग, पानी, पेन, कागज, गोंद

निर्देश:
कक्षा या स्कूल का अन्य उपलब्ध्द हिस्सा

- यह गतिविधि 2 हफ्तों की होगी
- शिक्षक पूरी कक्षा एकसाथ मिलकर एक बड़ी मॉडल बनाने या छोटे समूहों मे कई मॉडल बनाने मे चुनाव कर सकते है

मॉडल कैसे बनाए
सत्र: 1

- प्रत्येक समूह को एक मोटा कार्डबोर्ड प्रदान करें और उन्हें इसका उपयोग करके एक बड़ी ट्रे या आधार बनाने का निर्देश दें। कार्डबोर्ड का आकार इस बात पर निर्भर करेगा कि शिक्षक इसे कितना बड़ा मॉडल बनाना चाहते हैं - छोटे समूहों द्वारा बनाए गए कई मॉडल या पूरी कक्षा द्वारा कक्षा में या स्कूल में किसी बड़े स्थान पर बनाया गया एक बड़ा आकार का मॉडल। बड़े मॉडल के लिए आधार लकड़ी का तख्ता भी हो सकता है
- मिट्टी /कीचड़ को सतह पर समान रूप से फैलाएं
- छात्रों को मिट्टी/कीचड़ के माध्यम से पहाड़ियों, घाटियों, समतल क्षेत्रों का आकार देने वाला परिदृश्य बनाने के लिए प्रोत्साहित करें। नदियों, झीलों और तालाबों जैसे जल निकायों के लिए छात्र अपनी उंगलियों का उपयोग करके गड्ढों को आकार दे सकते हैं
- छात्र आमतौर पर आसपास के जंगल में पाए जाने वाले किसी भी जानवर या पक्षी प्रजाति के मिट्टी के मॉडल बना सकते हैं। छात्र पानी में पाए जाने वाले जीवों जैसे मछलियाँ, केकड़े, घोंघे आदि के मॉडल भी बना सकते हैं
- भूदृश्य और मिट्टी के मॉडलों को एक सप्ताह तक सूखने के लिए छोड़ दें

सत्र: 2

- एक बार जब मिट्टी सूख जाए, तो जल निकायों के गड्ढों को नीला, पहाड़ियों को हरा या भूरा और अन्य प्रासंगिक रंगों से रंग दें
- छात्रों को परिदृश्य में और अधिक विशेषताएं जोड़ने के लिए पत्थर, कंकड़, चट्टानें इकट्ठा करने के लिए कहें
- छात्रों को मॉडलों में वनस्पति जोड़ने के लिए टहनियाँ, देशी वृक्ष प्रजातियों की शाखाएँ, घास, फल और फूल इकट्ठा करने के लिए कहें। उन्हें मिट्टी की सतह में दबाया जा सकता है या मिट्टी/रेत का उपयोग करके खड़ा किया जा सकता है

जानवरों और पक्षियों के मिट्टी के मॉडल को परिदृश्य के उन हिस्सों में रखें जहां छात्रों को लगता है कि वे पाए जाते हैं

मिट्टी के मॉडल का नमूना

गतिविधि 09 - सांस्कृतिक उत्सव/मेला

नाम : ____________________ **दिनांक :** ____________________

गाँव : ____________________ **गतिविधि प्रकार :** एकल

उद्देश्य : विभिन्न समुदायों की विविधता और संस्कृति का उत्सव मनाना
निर्देश:
यह गतिविधि कक्षा मे की जानी है

- परिवार या गाँव के बड़े बुजुर्गों के मदद से छात्र उनके किसी एक पारंपरिक नृत्य या गीत सीखने को कहें। इन गीत या नृत्य के प्रकृति से संबंध की कहानी को जानने और सझ करने कहें
- छात्र अपने पारंपरिक परिधान पहन कर आयें, और

1) गीत या नृत्य की शुरुआत, इतिहास, और उनके संस्कृति मे इसके महत्व पर 5 मिनट की मौखिक प्रस्तुति करे
2) किसी पारंपरिक नृत्य, गीत, संगीत या वाद्य यंत्र का 5 मिनट की प्रस्तुति करें। छात्र ऐसे गीत या नृत्य का चिनाव कर सकते हैं, जिसमे उनके आसपास के प्रकृति के बारे मे बातें हो। वे वाद्य यंत्र कैसे बनाते हैं यह भी सीख सकते हैं, और अपने अन्य सहपाठियों को बी सीखा सकते हैं

गतिविधि 10 – जीवन का जाल

नाम : ____________________ **दिनांक :** ____________________

गाँव : ____________________ **गतिविधि प्रकार :** कम से कम 6 छात्रों का एक समूह। एक से अधिक समूह अपने अपने समूह मे कर सकते हैं।

उद्देश्य: यह समझना कि कैसे मानव, जन्तु, पेड़-पौधे सब एक दूसरे से जुड़े हैं, और एक परिस्थितिकी के हिस्से हैं।
आवश्यक सामाग्री : कागज/इंडेक्स कार्ड, मोटी सुतली (विभिन्न समूहों के लिए सुतली की कई गेंदें), कलम, कैंची
निर्देश :
यह गतिविधि स्कूल मे खुले स्थान मे किया जाए

- शिक्षक को नीचे दी गई सूची में से प्रत्येक जानवर, पौधे, जीव को इंडेक्स कार्ड/पेपर पर लिखना है। कागज/इंडेक्स कार्ड का आकार ऐसा होना चाहिए कि अक्षर बड़े लिखे जा सकें और देखने में आसान हों
- शिक्षक को समूह में विद्यार्थियों को एक घेरे में बैठाना या खड़ा करना चाहिए
- इंडेक्स कार्ड के ढेर को गोले के केंद्र में रखें
- प्रत्येक छात्र गोले के बीच में ढेर से एक कार्ड लेता है और उसे ऊपर उठाता है ताकि हर कोई कार्ड पर जीव का नाम देख सके।
- जो छात्र (मान लीजिए छात्र 1) "पेड़" कार्ड उठाता है उसे सुतली की गेंद दी जाती है। वह घेरे में मौजूद किसी अन्य व्यक्ति की ओर सुतली की गेंद फेंककर शुरुआत करता है
- जो छात्र गेंद पकड़ता है (छात्र 2) यह समझाने की कोशिश करता है कि उसके कार्ड पर लिखे जीव का “पेड़” के साथ कैसा रिश्ता है? (अन्य लोग मदद के लिए शामिल हो सकते हैं)
- छात्र 2 फिर सुतली को पकड़ता है और गेंद को तीसरे व्यक्ति (छात्र 3) की ओर फेंकता है जो अब बताता है कि उसके कार्ड पर मौजूद जीव, छात्र 2 के जीव के साथ कैसे बातचीत करता है।
- कोई भी व्यक्ति फंस जाए तो उसे अन्य छात्र या शिक्षक मदद कर सकते हैं
- सुतली को एक ही जीव पर कई बार फेंका जा सकता है
- यह खेल तब तक चलता है जब तक समूह में सभी को सुतली पकड़ने का मौका नहीं मिल जाता

इंडेक्स कार्ड के लिए सूची

सूर्य	मृत पत्ती
मधुमक्खी	चीता
मशरूम	चिड़िया
घास	तितली
चूहा	पेड़
चींटी	फूल
केंचुआ	साँप
मकड़ी	मेढक
नदी	घोंघा
बारिश	उल्लू
हिरण	गिलहरी
मछली	मिट्टी

प्रश्न: यदि जालल मे से एक जीव निकाल दिया जाय तो क्या होगा? यह पारिस्थितिकीय को किस तरह प्रभावित करेगा?

उत्तर:

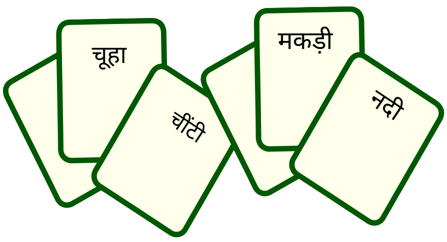

इंडेक्स कार्ड